२ अक्तूबर - अहिंसा दिवस के लिए प्ले-कार्डस् पर लिखने के नारे

★ **Be the change**
you want to see in the World.

★ हमला चाहे जैसा होगा
हाथ हमारा नहीं उठेगा।

★ युवा करें पुकार
हिंसा से उजाड़ो मत,
खिलने का मौका दो।

★ हम युवाओंका नारा,
हिंसा कभी नहीं, कभी नहीं।

★ हमने मन में ठाना है,
बनाएँगे अहिंसक समाज।

★ हर हिंसा के टक्कर में
शांति हमारा नारा है।

★ जोड़ो - जोड़ो,
इंसाँन से इंसाँन को जोड़ो।

★ दहशत फैलानेवालों...
आओ प्रेम शांति फैलाएँ।

★ आँख के बदले आँख के नारे
अंधे होंगे मानव सारे

★ हिंसक जनोंको आवाहन,
आओ, बनाये अहिंसक समाज,
सबको शांति-न्याय मिले।

★ **NO MORE VIOLENCE,**
PEACE IS OUR MISSION

★ युवाओंकी एक ही तमन्ना है,
अहिंसक समाज हो विश्व में।

★ हम गांधी के सिपाही है
हर हिंसा के टक्कर में,
अहिंसा हमारा जवाब है।

★ हम युवाओंका नारा है,
विश्वशांति - विश्वशांति

★ युद्ध नहीं, अमन चाहिए,
बम नहीं, शिक्षा-रोटी चाहिए।

★ भिन्न धर्म, भिन्न देश,
विश्वशांति हमारा संदेश।

★ विश्वशांति की नई लड़ाई,
मिलकर लड़ेंगे बहन-भाई।

★ ईंट का जवाब
पत्थर नहीं मुहब्बत है।

★ हिंसामुक्त हो समाज,
हम युवाओंका नारा है।

*****

२ अक्तूबर - आंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिन - गांधी जयंती

शपथ

मेरे सपनों का भारत

मैं ऐसे भारत के लिए कोशिश करूंगा, जिसमें गरीब लोग भी यह महसूस करेंगे कि वह उनका देश है... जिसके निर्माण में उनकी आवाज का महत्त्व है। मैं ऐसे भारत के लिए कोशिश करूंगा, जिसमें उच्च और निम्न वर्गों का भेद नहीं होगा और जिसमें विविध सम्प्रदायों में पूरा मेलजोल होगा। ऐसे भारत में अस्पृश्यता या शराब और दूसरी नशीली चीजों के अभिशाप के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता! उसमें स्त्रियों को वही अधिकार होंगे जैसे पुरुषों को होंगे! शेष सारी दुनिया के साथ हमारा संबंध शान्ति का होगा! यह है मेरे सपनों का भारत!

- गांधीजी

आइए, आज गांधी जयंती - अहिंसा दिवस मनाएँ!

गांधीजी के अहिंसक विचारों ने
कायर को निर्भय बनाया
मिट्टी से मर्द बनाया
रग-रग में चैतन्य जगाया
मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला दिये

आइए, गांधीजी के अहिंसा विचारों पर अमल करने की कोशिश करने की प्रतिज्ञा लें!

२ अक्तूबर - विश्व अहिंसा दिवस

अहिंसा और शांति के लिए प्रतिज्ञा

'विश्व अहिंसा दिवस' के इस शुभ अवसर पर दुनिया भर के लाखों लोगों के साथ मिलकर हम यह पवित्र प्रतिज्ञा करते हैं कि...

- हम बंधुत्व, सद्भाव, प्रेम, अहिंसा और शांति को विश्व में स्थापित करने के लिए कार्य करेंगे और जाति, वंश, देश, धर्म, भाषा और लिंग के बजाय सामान्य मानवता के आधार पर सारी मानव-जाति का आदर करेंगे.
- हम किसी भी परिस्थिति में, किसी भी तरह की हिंसा और असहनशीलता का न समर्थन करेंगे और न ही उन्हें आश्रय देंगे.
- हम बिना किसी भय और पूर्वाग्रह के सत्य और न्याय का हमेशा समर्थन करेंगे.
- हम सभी तरह के हथियारों और हिंसक माध्यमों को पूरी तरह से मिटाने की दिशा में कार्य करेंगे.
- हम सभी तरह के मतभेदों को बातचीत और कानूनी रास्ते से सुलझाने का प्रयत्न करेंगे और विश्व-शांति की स्थापना के लिए लगातार प्रयत्नशील रहेंगे.

शांति चाहिए **हिंसा नहीं**